बी0ए0 तृतीय वर्ष 2012–13

हिन्दी

प्रथम प्रश्न– जनपदीय भाषा साहित्य (अवधी काव्य) **पूर्णांकः 100**

अंक विभाजनः	व्याख्या–तीन	30 (3 X 10)
	आलोचनात्मक प्रश्न–तीन	45 (30 X 15)
	लघूत्तरीय प्रश्न–पांच	25 (5 X 5)

(क) अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

(ख) चयनित कवि एवं उनके काव्यांश

1. शेख निसार – यूसुफ जुलेखा का एक–एक खण्ड
2. बलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस'–पॉच कविताएं
3. वंशीधर शुक्ल – पांच कविताएं
4. त्रिलोचन शास्त्री – अमोला, से
5. आचार्य विश्वनाथ पाठक –सर्वमंगला के दो सर्ग
6. आद्या प्रसाद मिश्र 'उन्मन्त'– पॉच कविताएं

पाठ्य पुस्तक :– आधुनिक अवधी काव्य

सम्पादक :– 1. डॉ0 महावीर प्रसाद उपाध्याय, उपाचार्य व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, एच0एन0 बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

2. डॉ0 रामसनेही लाल शर्मा 'यायावर' उपाचार्य, हिन्दी विभाग, एस0आर0के0 स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फीरोजाबाद (उ0प्र0)

द्रुत पाठ क लिए गुरू प्रसाद सिंह 'मृगेश', चन्द्रभूषण त्रिवेदी, 'रमईकाका', डॉ0 द्वारिका प्रसाद मिश्र का अध्ययन अपेक्षित होगा जिनमें से किन्ही दो पर लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेगें।

सन्दर्भ–ग्रन्थः–

अवधी का विकास : डॉ0 बाबूराम सक्सेना
अवध–अवधी : विविध आयाम : सं0 डॉ0 राम शंकर त्रिपाठी
अवधी कविता के हीरक हस्ताक्षर : सं0 डॉ0 राम शंकर त्रिपाठी
अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास : श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव
आधुनिक अवधी कविता : डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
समकालीन अवधी कविता : डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी
अवध की साहित्य–सम्पदा : डॉ0 राधिका प्रसाद त्रिपाठी

अवधी भाषा, साहित्य और संस्कृति : डॉ राधिका प्रसाद त्रिपाठी
अवधी साहित्य : सर्वेक्षण और समीक्षा : सं0 जगदीश पीयूष
अवधी ग्रन्थावली : सं0 जगदीश पीयूष
शेख निसार कृत यूसुफ–जुलेखा : सं0 डॉ0 सत्यप्रकाश त्रिपाठी

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास — **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजनः– आलोचनात्मक प्रश्न–चार — 80 (4 X 20)

लघूत्तरीय प्रश्न–पांच — 20 (5 X 4)

इस प्रश्न के दो उपभाग होंगे :–
(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप–विकास
(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास

पाठ्य विषय :–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप–विकास, हिन्दी की उत्पत्ति हिन्दी की मूल आकर भाषाएं तथा विभिन्न भाषाओं का विकास।

हिन्दी भाषा के विविध रूप–

1. बोल–चाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्र–भाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार–भाषा

हिन्दी का शब्द–भण्डार–

तत्सम्, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली

(ख) हिन्दी–साहित्य का इतिहास, आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक पृष्टभूमि, प्रमुख युग–प्रवृत्तियॉ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियॉ, साहित्यिक विशेषताएं

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी भाषा एवं साहित्य का इतिहास

1. डॉ0 सुरेश प्रसाद सिंह, उपाचार्य, हिन्दी–विभाग, आर0आर0 पी0जी0 कालेज, अमेठी, सुलतानपुर
2. डॉ0 महावीर प्रसाद उपाध्याय, उपाचार्य, हिन्दी–विभाग, एच0एन0 बहुगुणा पी0जी0 कालेज, लालगंज, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)

सन्दर्भ ग्रन्थ :–